जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 180 प्रभात उदयपुर, शनिवार 4 मई, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

दक्षिण अफ्रीका के अर्द्ध मरुस्थलीय क्षेत्र कारु में पाए जाने वाले छोटे आकार के कछुओं की बीज फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कारु ड्वार्फ टॉरटिस नाम के ये नन्हे कछुए अपने आकार से कई गुना बड़ी भूमिका निभाते हैं। इन्हें इस क्षेत्र का गार्डनर (बागबां) कहा जाता है। यह संकटग्रस्त प्रजाति विश्व में पाए जाने वाले सबसे छोटे कछुओं में से एक है। शोधकर्ताओं ने मात्र 4.3 इंच लंबाई वाले इन कछुओं का मल एकत्रित कर इनके भोजन के बारे में पता लगाया। जर्नल एरिड एनवायरमैंट में छपे इस शोध के प्रथम लेखक विक्टर लोअर ने बताया कि, इस प्रजाति का अध्ययन करना किसी चुनौती से कम नहीं है, क्योंकि पूरा दिन ये एकदम निश्चेष्ट होकर चट्टानों की दरारों में अपने शैल में घुसे हुए पड़े रहते हैं। ड्वार्फ टॉरटिस कंज़र्वेशन नाम की एन.जी.ओ. के विक्टर व उनकी टीम ने पाया कि, इस संकटग्रस्त प्रजाति की यह एकमात्र ज्ञात आबादी, मवेशिओं की चराई तथा रेवन्स (काला कौआ) और कौओं जैसे परभक्षियों के कारण हुई आवास क्षेत्र की दुर्दशा के कारण निरंतर कम हो रही है। इस प्रजाति की मादा एक बार में एक ही अंडा देती है और इनके बच्चों को वयस्क होने में दस साल तक लग जाते हैं। इसलिए इनकी आबादी बहुत धीमी गति से बढ़ती है और यही वजह है कि इनकी आबादी पर दबाव बढ़ रहा है। इनकी भोजन की आदतों सम्बंधी खोज बेहद महत्वपूर्ण है। लेकिन, अभी तक इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है कि यह क्या खाते हैं और आसपास के इकोसिस्टम में इनकी क्या भूमिका है। शोधकर्ताओं ने पाया कि, यूं तो कई प्रकार के पौधे इनका भोजन हैं, पर 10 प्रकार के पौधे इन्हें ज्यादा प्रिय हैं, इनमें डॉल्स रोज़ भी है जो इस क्षेत्र में काफी कम पाया जाता है। शोधकर्ताओं ने यह भी माना कि , कारु टॉरटिस का कुछ पौधों से परस्पर सहयोगात्मक रिश्ता होता है, जिनके बीजों का प्रकीर्णन व उनका अंकुरण करने में ये सहयोगी होते हैं। विक्टर ने कहा कारु जैसे क्षेत्र, जहां अक्सर सूखा पड़ता है, वहां कछुए बीजों को दूर-दूर तक बिखेरने में अहम् भूमिका निभाते हैं। विक्टर ने कहा कि, अगर हम ज्यादा संख्या में कछुओं पर एक और जर्मिनेशन ट्रायल करते तो यह जानकर मुझे जरा भी आश्चर्य नहीं होता कि, कई और प्रकार के पौधों के बीज भी ये फैलाते हैं।

राहुल गांधी ने अमेठी छोड़ कर रायबरेली से लड़ने का अचानक निर्णय क्यों लिया?

सच तो यह है कि, वे शुरू से ही रायबरेली से लड़ना चाहते थे, क्योंकि अमेठी में चुनाव के दौरान स्मृति ईरानी हर रोज नया मुद्दा उठातीं और काफी ''अन्कम्फर्टेबल'' रखतीं राहुल को

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। अप्रत्याशित कदम उठाते हुए राहुल गांधी अमेठी से रायबरेली शिफ्ट हो गए और साथ ही परिवार ने निर्णय लिया कि, प्रियंका गांधी चुनाव नहीं लड़ेंगी।

राहुल के स्थान पर, गांधी परिवार के निष्ठावान किशोरी लाल शर्मा अमेठी से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। किशोरी लाल पिछले 40 वर्षों से अमेठी व रायबरेली सीटों की देखभाल कर रहे हैं।

प्रश्न यह पूछा जा रहा है कि, राहुल गांधी अमेठी से रायबरेली क्यों गए?

माना जा रहा है कि, राहुल गांधी अमेठी या रायबरेली, दोनों में से किसी भी सीट से चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे। उन्होंने अपनी माँ सोनिया गांधी को साफ मना कर दिया था। लेकिन, कहा जा रहा है कि, सोनिया गांधी ने राहुल पर चुनाव लड़ने के लिए बहुत अधिक दबाव डाला, क्योंकि, दोनों ही गांधी परिवार की सीटें हैं। तर्क यह दिया कि, चूँकि पार्टी अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष रायबरेली से चुनाव लड़ते आये हैं इसलिए राहुल को भी इस परम्परा का निर्वाह करते हुए रायबरेली से चुनाव लड़ना चाहिए।

- **अन्ततोगत्वा सोनिया गांधी ने भी भरपूर दबाव बनाया कि, अब तक कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष यहीं से, रायबरेली से चुनाव लड़ते आये हैं, अतः राहुल को भी इस परम्परा का निर्वाह करना चाहिये।**
- **इण्डिया गठबंधन के घटक, अन्य विपक्षीय पार्टियों का भी भारी दबाव था कि, राहुल चुनाव लड़ें, ताकि चुनाव में माहौल बने कि, राहुल सेना के फ्रंट में खड़े हैं, नेतृत्व प्रदान करने के लिये।**
- **अन्ततोगत्वा फुसफुसाहट यह भी है कि, राहुल चाहते थे कि, प्रियंका चुनाव न लड़ें, क्योंकि अगर वो जीत गयीं तो लोकसभा में छा जायेंगी और राहुल पर से फोकस हट जायेगा।**

वास्तव में यह सच भी है कि राहुल अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ना चाहते थे, क्योंकि अमेठी में तो भाजपा की तेज तर्रार प्रत्याशी स्मृति ईरानी हर रोज़ नए मुद्दे उठातीं और राहुल गांधी को ''अन्कम्फर्टेबल'' रखतीं।

कहा जा रहा है कि, राहुल गांधी नहीं चाहते थे कि, उनकी बहन चुनाव लड़ें क्योंकि, इससे पार्टी के अंदर एक नया और अधिक बड़ा ''पावर सैंटर'' बन जाता। मूल रूप से राहुल की टीम और उनके सलाहकार उन्हें इस बात के लिए समझाते रहे हैं कि, प्रियंका को चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। क्योंकि अगर वो जीत गईं तो लोकसभा में छा जाएंगी और राहुल पर से फोकस हट जाएगा।

क्या राहुल गांधी अमेठी से भागे हैं? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने, अमेठी छोड़ने के लिए राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला और राहुल की ही कही बात राहुल को कही, ''डरो मत!! भागो मत।'' राहुल गांधी अनेक मौकों पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अन्ततोगत्वा भाजपा के लिये भी अच्छी खबर आयी साऊथ इण्डिया से

तेलंगाना पुलिस ने भाजपा को ''क्लीन चिट'' दी, रिसर्च स्कॉलर रोहित वेमुला की मृत्यु के मामले में

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। ऐसे समय में जब दक्षिण भारत में भाजपा के लिए कुछ भी सही नहीं चल रहा है तब एक अच्छी खबर आई है तेलंगाना से।

एक महत्वपूर्ण केस में राज्य पुलिस ने भाजपा नेताओं को क्लीन चिट दे दी है। यह केस पी.एचडी. छात्र रोहित वेमूला की मौत से संबंधित है जिसने जनवरी 2016 में आत्महत्या कर ली थी।

पुलिस ने अपनी क्लोज़र रिपोर्ट में सिकंदराबाद के तत्कालीन सग्भेद बंडारू दत्तात्रेय, एम.एल.सी.एन. राम चंदर रॉव, वाइस चांसलर अप्पाराव, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ए.बी.वी.पी.) के नेताओं और तत्कालीन महिला एवं बाल विकास मंत्री समृति ईरानी को क्लीन चिट दे दी है। भाजपा निस्संदेह ही इस मुद्दे को अपने चुनाव प्रचार में उछालेगी। तब और वामपंथी दलों ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा था और कहा था कि भाजपा की सोच की वजह से ही रोहित वेमूला की मौत हुई है।

- **कांग्रेस व मार्क्सवादी पार्टी लागतार आरोप लगा रही थीं कि, हैदराबाद सैन्ट्रल युनिवर्सिटी के छात्र, वेमुला ने अपने हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली थी और वेमुला ने भाजपा के छात्र संगठन, ए.बी.वी.पी. व भाजपा के स्थानीय सांसद के दुर्व्यवहार से दुखी होकर आत्महत्या की थी।**
- **राहुल गांधी ने एक नया कानून लाने की बात कही थी, एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. व अल्पसंख्यक को शिक्षा का समान अधिकार व सम्मान दिलाने के लिये और इस कानून का नाम रोहित वेमुला के नाम पर रखने का वादा किया था।**
- **पर, इस पूरे प्रकरण की जांच के लिये गठित जांच समिति ने भाजपा व उसके अन्य संगठनों को वेमुला की हत्या के प्रकरण में पूर्ण तरह से दोषमुक्त कर न्यायालय में रिपोर्ट पेश की है।**
- **जैसा कि विदित ही है, वेमुला प्रकरण की जांच मुख्यमंत्री चन्द्रशेखर राव की तेलंगाना राष्ट्रीय समिति की सरकार द्वारा गठित की गयी थी तथा रिपोर्ट अब आयी है, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है।**

पुलिस ने कहा कि रोहित अनुसूचित जाति का नहीं था और उसने इसीलिए आत्महत्या की, क्योंकि उसे डर था कि उसकी वास्तविक जातिगत पहचान उजागर हो जाएगी। पुलिस ने यह आरोप भी लगाया कि पूरे परिवार का ही जाति प्रभाव फर्ज़ी तरीके से बनाया गया था।

यह दिलचस्प है कि, तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के चार महीने बाद यह रिपोर्ट आयी है। इसके अलावा, भाजपा के दृष्टिकोण से देखें तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेबी ने अडानी की कई कम्पनियों को नोटिस दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने अडानी ग्रुप की कई कम्पनियों को शुक्रवार को सेबी द्वारा दिए गए कारण बताओ नोटिसों का स्वागत किया है। सेबी अडानी समूह की इन कम्पनियों पर कार्यवाही कई सालों से पीछे हटता रहा है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दबाव की वजह से अंततः सेबी को नोटिस देने को बाध्य होना पड़ा।

- **कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने इस पर खुशी जताई और कहा कि, कई सालों तक कदम पीछे हटाने के बाद, सुप्रीम कोर्ट के दबाव में अंततोगत्वा सेबी ने यह कदम उठाया है।**

रमेश ने एक बयान में कहा है कि, अडानी ग्रुप की जिन कम्पनियों की जांच की जा रही है, उनमें इस ग्रुप की नामी कम्पनियां अडानी एन्टरप्राइजेज़,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आज मैं शहज़ादे को कहना चाहता हूँ डरो मत भागो मत'

राहुल गांधी के अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ने पर प्रधानमंत्री मोदी ने तंज किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के द्वारा उनकी परम्परागत अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के बजाय रायबरेली सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ने का निर्णय लेने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन पर निशाना साधते हुए उन पर तीखा हमला बोला।

राहुल गांधी ने आज रायबरेली सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, इस निर्वाचन सीट पर उनकी मां सोनिया गांधी का लगातार पिछले दो दशकों से कब्जा बना हुआ है, प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में आयोजित जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और उनका मजाक उड़ाते हुए कहा कि, ''वो अमेठी लोकसभा निर्वाचन सीट से हार के डर की वजह से मैदान छोड़कर भाग गए हैं।''

राहुल गांधी, इससे पूर्व आज दिन में फुर्सतगंज हवाई अड्डे पर पहुंचे, उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी एवं प्रियंका गांधी भी आई थीं। जिलाधीश कार्यालय में जब उन्होंने नामांकन पत्र दाखिल किया उस समय स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में जमा हो गए थे।

रायबरेली की लोकसभा सीट पर मतदान आगामी 20 मई को होगा।

पार्टी ने अमेठी और रायबरेली के प्रत्याशियों के बारे में नामांकन भरने की आखिरी तारीख तक सभी को सस्पैंस में रखा। लम्बे समय से गांधी परिवार के प्रति वफादार रहे किशोरी लाल शर्मा को कांग्रेस ने अमेठी सीट से उम्मीदवार घोषित किया है, शर्मा ने अपना नामांकन पत्र कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की उपस्थिति में शुक्रवार दाखिल किया।

- **अमेठी से कांग्रेस पार्टी ने भाजपा की स्मृति इरानी के मुकाबले गांधी परिवार के बेहद करीबी किशोरी लाल शर्मा को टिकट दिया है।**
- **किशोरी लाल शर्मा 40 सालों से कांग्रेस से जुड़े हुए हैं और अमेठी में सक्रिय हैं। वे वर्ष 1987 में पंजाब के लुधियाना से अमेठी आए थे और फिर यहीं बस गए।**

उम्मीद की जा रही थी कि राहुल अमेठी को वापस जीतने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे, पर उन्हें रायबरेली से पार्टी उम्मीदवार बनाने की घोषणा की गई है। गांधी वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की स्मृति ईरानी से उनके परिवार का गढ़ रही अमेठी सीट से हार गए थे जिससे सभी स्तब्ध रह गए थे।

इससे पूर्व, किशोरी लाल शर्मा ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पत्नी और पुत्र को प्रति माह 25,000 रूपए मेन्टिनैंस दे डॉक्टर पति

जयपुर, 3 मई। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-9, महानगर प्रथम, ने घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम से जुड़े मामले में डॉक्टर पति को निर्देश दिया है कि, वह अपनी पत्नी व नाबालिग बेटे को हर महीने 25 हजार रुपए भरण-पोषण राशि अदा करे। अदालत ने यह आदेश प्रार्थी पत्नी के प्रार्थना पत्र पर दिया। मामले से जुड़े अधिवक्ता दीपक चौहान ने बताया कि, कोर्ट ने माना कि, पत्नी का भरण-पोषण करना पति का सामाजिक व नैतिक उत्तरदायित्व है और ऐसे में पत्नी व बेटे के जीवन स्तर

- **अदालत ने माना है कि, पत्नी और बच्चे का भरण-पोषण करना पति का सामाजिक व नैतिक उत्तरदायित्व है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पृथ्वीराज नगर क्षेत्र में क्या अब बिजली कनैक्शन जारी हो सकेंगे?

अदालत ने कहा, पिछली सरकार में यह फैसला लिया गया था कि, पृथ्वीराज नगर के बिजली कनैक्शन दिए जाने चाहिये, अब जे.डी.ए. इस मामले में आनाकानी नहीं कर सकती

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 3 मई। राजस्थान हाईकोर्ट में पृथ्वीराज नगर क्षेत्र में जिन भूखंड स्वामियों के पास जे.डी.ए. पट्टे नहीं है, उन्हें बिजली कनैक्शन दिए जाएं या नहीं इस मामले की अपील पर सुनवाई हुई। उल्लेख है कि गत वर्ष हाईकोर्ट की एकलपीठ ने अनियमित भूखंड मालिकों की याचिका खारिज कर दी थी। न्यायाधीश पंकज भंडारी और न्यायाधीश प्रवीण भटनागर की खंडपीठ ने जे.वी.वी.एन.एल. तथा शकुंतला शर्मा व अन्य याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर अपील की सुनवाई करते हुए जे.डी.ए. अधिकारियों के खिलाफ काफी कड़ी टिप्पणी की और कहा कि राज्य सरकार मुख्य सचिव स्तर पर पिछले वर्ष ही यह फैसला ले चुकी है कि पृथ्वीराज नगर क्षेत्र में बसे उन हजारों लोगों को बिजली कनैक्शन जारी करना चाहती है जिन्हें अदालती आदेशों की वजह से बिजली कनैक्शन जैसे मूल अधिकार से वंचित रखा गया था। अदालत ने कठोर टिप्पणी करते हुए कहा कि जे.डी.ए. के अधिकारियों और वकीलों को इस मामले में हस्तक्षेप करने का अब कोई अधिकार नहीं है। इतनी कड़ी टिप्पणी करने के बावजूद अदालत शुक्रवार को इस मामले पर समय के अभाव के कारण अपना फैसला नहीं सुना पाई। बताया जा रहा है कि मंगलवार को खंडपीठ इस मामले पर अपना फैसला या तो सुनाएगी या सुरक्षित कर लेगी।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में मई 2013 में न्यायाधीश मनीष भंडारी की अदालत ने फैसला दिया था कि पृथ्वीराज नगर क्षेत्र (पी.आर.एन.) में भारी अतिक्रमण के चलते केवल उन भूखंडों पर बिजली कनैक्शन जारी किया जाये, जिनका जे.डी.ए. द्वारा नियमन कर पट्टे जारी कर दिये गये हैं। हालांकि अदालत ने उक्त क्षेत्र में कॉलोनियों व भूखंडों के नियमन पर कोई रोक नहीं लगाई है। परंतु हैरानी की बात है कि जब उक्त मामला पिछले वर्ष अदालत में पहुंचा था तब तक पी.आर.एन. में 855 कॉलोनियों में से केवल 641 कॉलोनियों का ही नियमन किया गया था और 214 ऐसी कॉलोनियां थी जिनका नियमन नहीं किया गया था, यानी पी.आर.एन. में 80,018 भूखंडों में से करीब 17564 ऐसे भूखंड हैं जिनमें आज भी या तो बिजली कनैक्शन नहीं है या फिर वे बिजली चोरी करने पर विवश हैं।

जब पिछले वर्ष यह मामला अदालत की एकल पीठ के समक्ष आया था, तब अनियमित कॉलोनियों की तरफ से अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने अदालत को कहा था कि 2013 के बाद से अभी तक जे.डी.ए. ने कॉलोनियों का नियमन

- **उल्लेखनीय है कि, उक्त मामले में मई 2013 में हाईकोर्ट ने ही उक्त क्षेत्र में भारी अतिक्रमण के चलते यह फैसला दिया था कि, केवल उन्हीं भूखंडों पर बिजली कनेक्शन जारी किया जाये, जिन्हें जे.डी.ए. द्वारा नियमित कर दिया गया है।**
- **पिछले वर्ष हाईकोर्ट की एकलपीठ ने भी 2013 के फैसले को सही बताया था, जिसके खिलाफ वर्तमान अपील दायर की गई है।**
- **पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव और अधिवक्ता पी.एन.भंडारी ने अदालत को कहा कि, सुप्रीम कोर्ट बार-बार बिजली कनैक्शन को एक मूल अधिकार घोषित कर चुका है। इसलिये बिजली विभाग को हर आवेदक की प्रार्थना पर बिजली कनैक्शन जारी करना अनिवार्य है। अगर विभाग द्वारा किसी अतिक्रमणकारी को बिजली कनैक्शन दे देता है तो जे.डी.ए. उसे हटा सकता है।**
- **उन्होंने अदालत को बताया कि, मार्च 2023 में मुख्य सचिव, यू.डी.एच. विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और जे.डी.सी. की एक कमेटी में यह फैसला ले लिया गया था कि राज्य सरकार पृथ्वीराज नगर में भी बिजली कनैक्शन देने की नीति अपनाना चाहती है। इसलिये जे.डी.ए. अधिकारियों को अब इस मामले में दखल नहीं देना चाहिये।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल रायबरेली से भी चुनाव लड़ेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रायबरेली से अपने नामांकन को एक ''भावुक पल'' की संज्ञा दी।

उन्होंने एक बयान में कहा कि, ''मेरी मां ने बड़े भरोसे के साथ मुझे परिवार के कार्य क्षेत्र की जिम्मेवारी दी है और मुझे वहां सेवा करने की अवसर दिया है।''

- **शुक्रवार को राहुल ने रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल किया, इस दौरान वे काफी भावुक नज़र आए।**

अमेठी और रायबरेली मेरे लिए अलग-अलग नहीं है, दोनों ही मेरे परिवार हैं और मुझे खुशी है कि अमेठी में पिछले 40 वर्ष से कांग्रेस की सेवा करते आ रहे किशोरी लाल जी अमेठी से पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। वर्तमान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)